The Constitution (Amendment) Bill, 2019 (Amendment of Article-343)

SHRI VAIKO (Tamil Nadu): Sir, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI VAIKO: Sir, I introduce the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Constitution (Amendment) Bill, 2019 (insertion of new article 14A and omission of article 44).

SHRI K.K. RAGESH: Sir, point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. Let me complete. Now, Shri Narayan Lal Panchariya to move for leave to introduce the Constitution (Amendment) Bill, 2019 (insertion of new article 14A and omission of article 44); not present. ...*(Interruptions)*...

SHRI K.K. RAGESH: Sir, I have a point of order. This is against the basic structure. As per the present position, basic structure of our Constitution cannot be amended. Secularism is the basic structure of our Constitution. This Bill is against secularism and hence, against the basic structure of our Constitution. Hence, this Bill cannot be introduced.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Well, your point is taken. I would come to this. Now, the Constitution (Amendment) Bill, 2017 (amendment of article 51A). Shri Prabhat Jha to move a motion for consideration of the Constitutional (Amendment) Bill, 2017.

The Constitution (Amendment) Bill, 2017
(Amendment of Article 51A)

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:-

कि भारत के संविधान का और संशोधन करने के लिए विधेयक पर विचार किया जाए।

आदरणीय उपसभापति महोदय, स्वच्छता और शुद्धता हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार का एक अंग हैं। हम घर में पर्व मनाते हैं, ईश्वर की पूजा करते हैं अथवा जो हमारा आराधना स्थल होता है, उसकी साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। हम बाह्य परिवेश को तो स्वच्छ करते हैं, लेकिन अपने अंतर्मन को भी स्वस्थ और स्वच्छ रखने के लिए श्रीमद्भगवद्गीता के 16वें अध्याय में 26 गुण बताए गए हैं। उन 26 गुणों के आधार पर कोई पूछे कि क्या ये आज की बातें हैं, तो मैं बताना चाहूंगा कि गीता के 6वें अध्याय में दिए गए 26 गुणों में एक गुण स्वच्छता का भी बताया गया है। जो 26 अन्य गुण उसमें बताए गए हैं, वे हैं निडरता, शुद्ध सात्विक वृत्ति, ज्ञान व योग में आस्था, दान, दम, यज्ञ, स्वाध्याय, तप, सरलता, अहिंसा, सत्यता, अक्रोध, अहंकार शून्यता, शान्ति, छिद्रान्वेषण में अरुचि - अर्थात् पीठ पीछे बात न करना, दया भाव, लालच न करना, कोमलता,